तंबाकू के नशे से मुक्ति के लिए निःशुल्क शिविर

एक प्रतिनिधि

कानपुर। जाजमऊ के टेनरी कम्पाउंड में आज समाजसेवी संस्था 'जननी द मदर' ने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया। शिविर में भारी संख्या में तंबाकू के सेवन से ग्रसित लोगों ने अपना परीक्षण कराया।

शिविर में विशेषज्ञ डाक्टरों की टीम ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां वितरित की। संस्था पिछले काफी समय से तंबाकू के सेवन के खिलाफ अभियान चलाकर लोगों को उसके दुष्प्रभाव के बारे में जागृत करने का प्रयास कर रही है। अभी पिछले दिनों संस्था ने बाबूपुरवा इलाके में शिविर लगाकर अपनी सेवाएं आम जनता को उपलब्ध करायीं। इसी कड़ी में आज जाजमऊ में शिविर लगाकर तंबाकू से निर्मित सिगरेट, गुटका व अन्य पदार्थों के दुष्प्रभाव से लोगों को परिचित कराया गया। शिविर में आसपास के इलाकों में डेढ़ सौ लोगों ने अपना परीक्षण कराया। ज्यादातर मरीजों में पूरा मुंह न खुलना, सफेद दांत व छाले से ग्रसित नजर आए। संस्था के सचिव जय राघवेन्द्र सिंह गौर ने शिविर में आये लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पान

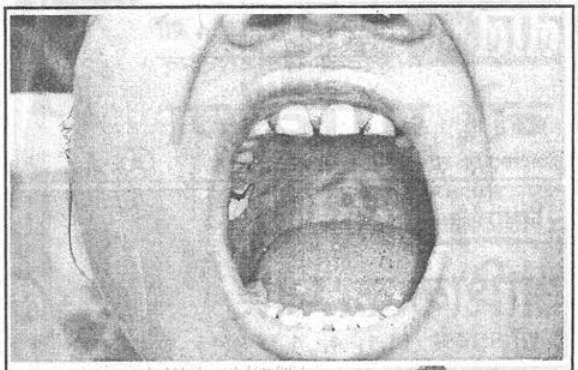

मसाला व गुटका के अलावा अन्य तंबाकू से निर्मित पदार्थ हमारी पीढ़ी को खोखला कर रही है। जिस पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। हमारा लक्ष्य है कि जो गरीब जनता इनका शिकार हो चुकी है, उन्हें मुफ्त दवा उपलब्ध कराना तथा उन्हें तंबाकू के नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर संस्था के सचिव जय राघवेन्द्र सिंह गौर के अलावा डा० नासिर खान व सचिन शुक्ला आदि लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर

कानपुर, हमारे संवाददाता : जननी द मदर वेल्फेयर सोसाइटी ने बाबूपुरवा में स्वास्थ्य शिविर लगाया। न्यू पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी व डाटा फाउंडेशन चेरीटेबिल ट्रस्ट द्वारा रविवार को जाजमऊ में लगे स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री श्री प्रकाश जायसवाल ने किया। पर्यावरण सुरक्षा संस्थान और भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ ने उजियारी देवी मंदिर, मैनावती मार्ग में स्वास्थ्य शिविर लगाया।

स्वास्थ्य शिविर में मिले मुंह न खुलने के रोगी

कानपुर, 30 जनवरी (एसएनबी)। महात्मा गांधी के निर्वाण दिवस पर आज जननी द मदर संस्था के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में करीब पांच सौ व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें पान मसाले के सेवन से अधिकांश लोगों के मुंह पूरे न खुलने की शिकायतें पायी गयी। जिन्हे आवश्यक सलाह दी गयी।

जाजमऊ स्थित टेनरी कम्पाऊण्ड में आयोजित शिविर में में संस्था के सचिव राघवेंद्र सिंह गौर ने शिविर में आए रोगियों को अवगत कराया कि भारत में करीब चार सौ वर्ष पूर्व पुर्तगालियों ने तम्बाकू का चलन शुरू किया था। तब से आज तक देश में तम्बाकू का सेवन करने वालों की संख्या में लगातार बढोत्तरी हो रही है। तम्बाकू से दूरगामी परिणाम काफी घातक है। इसके सेवन से मुख में कैंसर अथवा शरीर के किसी भी भाग में कैसर हो सकता है। वीर्य में शुक्राणुओं की कमी होने से बांझपन एवं प्रजनन क्षमता में कमी आती है। महिलओं में इसके सेवन से असमय गर्भपात होने का खतरा बना रहता है।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

जननी द मदर वेलफेयर सोसाइटी ने जाजमऊ स्थित हिंदुस्तान टेनरी कंपाउंड में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया। शिविर में लगभग पांच सौ लोगों का परीक्षण किया गया। वहीं पनकी स्थित डीएस मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में निःशुल्क परीक्षण शिविर में 193 मरीजों का परीक्षण किया गया।

कंपू मेल, कानपुर ३१ मई, २००७

गुटखा खाने वालों के परीक्षण में कैंसर के कई मरीज निकले

कानपुर। बड़े चौराहे में उर्सला अस्पताल में धूम्रपान के खिलाफ जननी द मदर वेलफेयर सोसायटी ने एक जनजागरुकता अभियान चलाया। कार्यक्रम के संयोजक जेआरएस गौर ने कहा कि इस कार्यक्रम में गुटखा, पान मसाला खाने वाले तमाम मरीजों का परीक्षण हुआ। इनमें से कई व्यक्तियों में कैंसर दूसरी स्टेज तक पहुंच गया है और उन्हें पता भी नही है। उन्होने कहा कि पिछले पांच सालों में हर उत्पाद की कीमत तीन-चार गुना बढ़ गई है। कत्था, तम्बाकू, सुपाड़ी की कीमत कई गुना बढ़ गई लेकिन मसाला अभी भी एक रुपए मे बिक रहा है। यानि की इसमे ऐसे खतरनाक रसायनों का प्रयोग किया जा रहा है जो हमें अंदर ही अंदर खोखला कर रहे हैं।